

सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्य तथिपर श्रद्धांजलि

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्य तथिपर श्रद्धांजलि अर्पित की, जो 15 दिसंबर, 1950 को हुई थी।

- उनके अडगि संकल्प और दृढ़ दृष्टिकोण के कारण उन्हें व्यापक रूप से "भारत के लौह पुरुष" के रूप में मान्यता प्राप्त है, और उन्हें **राष्ट्रीय एकता के प्रतीक** के रूप में जाना जाता है।

राजनीतिक उपलब्धियाँ:

- **खेड़ा सत्याग्रह (1918):** उन्होंने सूखे के कारण खराब फसल से प्रभावित किसानों के लिये कर छूट की मांग करते हुए **खेड़ा सत्याग्रह** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **बारदोली सत्याग्रह (1928):** **बारदोली सत्याग्रह** के दौरान अनुचित कर वृद्धि के विरुद्ध वरिष्ठ प्रदर्शन किया, जिसके कारण उन्हें इस नेतृत्व के लिये "सरदार" की उपाधि प्रदान की गई।
- गांधीजी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर **वर्ष 1930 में नमक सत्याग्रह** जैसे आंदोलनों का नेतृत्व किया और इसमें शामिल होने के कारण उन्हें कई बार कारावास के दंड का भी सामना करना पड़ा।
- उन्होंने **कराची** में वर्ष **1931 के कॉंग्रेस अधिवेशन** की अध्यक्षता की तथा **गांधी-इरवनि समझौते**, मौलिक अधिकारों और **राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम** पर प्रस्ताव के संबंध में चर्चाओं का नेतृत्व किया।
- उन्होंने लगभग **562 रियासतों** को भारतीय संघ में एकीकृत करने का नेतृत्व किया, जिससे लाखों लोगों के लिये स्थिरता और लोकतंत्र सुनिश्चित हुआ।
- **राष्ट्रीय सविलि सेवा दविस** (21 अप्रैल) सरदार पटेल के 1947 के भाषण का सम्मान करता है, जिसमें उन्होंने सविलि सेवकों को "भारत का इस्पाती ढाँचा" कहा था तथा लोकसेवा के प्रति उनके समर्पण को सुदृढ़ किया था।
- उन्होंने संविधान सभा में **मौलिक अधिकार**, **अल्पसंख्यक** तथा **जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों** पर सलाहकार समिति की अध्यक्षता की।
- **31 अक्टूबर, 2018** को सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिये विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा, **सटैच्यु ऑफ यूनिटी** का उद्घाटन गुजरात के **केवडिया** में किया गया, जिसकी ऊँचाई 182 मीटर (600 फीट) है।



सरदार वल्लभ भाई पटेल

IRON MAN OF INDIA
[31 OCTOBER 1875 - 15 DECEMBER 1950]

परिचय

- ◆ भारत के पहले गृहमंत्री तथा उप-प्रधानमंत्री
- ◆ बारदोली की महिलाओं द्वारा 'सरदार' की उपाधि दी गई

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का दृष्टिकोण

- ◆ इनके जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- ◆ इनकी स्मृति में गुजरात में वर्ष 2018 में 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' का अनावरण किया गया।

संविधान सभा की समितियाँ जिनकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की

- ◆ मूल अधिकारों पर सलाहकार समिति
- ◆ अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों पर समिति
- ◆ प्रांतीय गठन समिति

प्रमुख योगदान

- ◆ खेड़ा (1918) तथा बारदोली (1928) आंदोलनों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया।
- ◆ कॉंग्रेस के 46 वें अधिवेशन (मार्च 1931) की अध्यक्षता करते हुए गांधी-इरविन समझौते की पुष्टि का आह्वान किया।
- ◆ इन्हें 'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत' के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इन्होंने आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना की।
- ◆ इन्होंने लगभग 565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके चलते इन्हें 'भारत का लौह पुरुष' के रूप में जाना गया।

और पढ़ें: [सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tribute-to-sardar-vallabhbhai-patel>

